पिछवाड़ा मुर्गीपालन : आत्मनिर्भर भारत के लिए एक मजबूत आधार

नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबपलुर में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषितअखिल भारतीय समन्वित कुक्कुट अनुसंधान परियोजना के अंतर्गत अनुसूचित जाति के हितग्राहियों के कौशल-उन्नयन हेतु पाँच दिवसीय पिछवाड़ा मुर्गीपालन प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. डॉ. एस. पी. तिवारी के मुख्य आतिथ्य में दिनांक 27 मार्च 2021 को संपन्न हुआ । कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके हुआ । प्रशिक्षण कार्यक्रम के संयोजक डॉ. गिर्राज गोयल ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न विषय विशेषज्ञों द्वारा दिये गये व्याखानों की जानकारी दी । प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान अपराह्न के सत्रोंमें प्रशिक्षणार्थियों को मुर्गीपालन से संबंधित विभिन्न विषयों जैसे मुर्गियों को दाना – पानी देना, आहार का निर्माण करना, टीकाकरण करना आदि का प्रयोगिक ज्ञान दिया गया जिसे प्रतिभागियों ने स्वयं करके सीखा ।कार्यक्रम के समापन में प्रशिक्षणार्थियों को नर्मदानिधी नस्ल के चूजों का वितरण किया गया जिनकों पालकर प्रशिक्षणार्थी अपने सामाजिक/आर्थिक स्तर को ऊपर ले जाएगे ।विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति जी ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि पिछवाड़ा मुर्गीपालन हमारे माननीय प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत अभियान का एक मजबूत आधार बन सकता है । साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों के लिए पोषण सुरक्षा भी सुनिश्चित कर सकता है । विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता संकाय डॉ. आर. पी. एस. बघेल ने पिछवाड़ा मुर्गीपालन के व्यवसायिक पहलू पर प्रकाश डाला। संचालक विस्तार शिक्षण डॉ. सुनील नायक ने विश्वविद्यालय द्वारा अनुसूचित जाति एवं अन्य वर्गों के लिए विश्वविद्यालय द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी।इस अवसर पर डॉ. शशिकांत

जोशी, कुलसचिव एवं डॉ. अनिल कुमार गौर, सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी की गरिमामय उपस्थिति उल्लेखनीय रही। कार्यक्रम के अंत में कुक्कुट पालन विभाग के अध्यक्ष डॉ. एस. एस. अतकरे ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

सूचना एवं जनसपंर्क अधिकारी
नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय
जबलपुर (म.प्र.)